

सौप्रतीक वि. (तत्.) 1. हाथी से संबंध रखने वाला, हाथी का 2. सुप्रतीक दिग्गज संबंधी।

सौबल पुं. (तत्.) सुबल का पुत्र, शकुनि।

सौबलक पुं. (तत्.) सौबल, शकुनि।

सौबली स्त्री. (तत्.) सुबल की पुत्री, गांधारी।

सौबलेय पुं. (तत्.) सौबल, शकुनि।

सौबिगा स्त्री. (देश.) एक प्रकार की बुलबुल जो ऋतु के अनुसार रंग बदलती है।

सौवीर पुं. (देश.) 1. सौवीर, सिंधु नदी के आसपास के एक प्राचीन प्रदेश का नाम 2. सौवीर प्रदेश का निवासी 3. संगीत में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

सौभ पुं. (तत्.) 1. राजा हरिश्चंद्र की उस कल्पित नगरी का नाम जो आकाश में मानी गई है 2. प्राचीन भारत में, शाल्वों का एक नगर या जनपद।

सौभकि पुं. (तत्.) राजा द्रुपद का एक नाम।

सौभग पुं. (तत्.) 1. सौभाग्य 2. समृद्धि, धन-संपत्ति 3. सौंदर्य 4. आनंद **वि.** सुभग संबंधी, सुभग का।

सौभद्र पुं. (तत्.) 1. सुभद्रा का पुत्र, अभिमन्यु 2. एक तीर्थ का नाम।

सौभद्रेय पुं. (तत्.) 1. सुभद्रा का पुत्र, अभिमन्यु 2. बहेड़ा (एक वनस्पति)।

सौभर पुं. (तत्.) एक वैदिक ऋषि।

सौभरायण पुं. (तत्.) वह जो सौभर के गोत्र में उत्पन्न हुआ हो।

सौभरि पुं. (तत्.) एक प्राचीन वैदिक ऋषि।

सौभागिनी स्त्री. (तत्.) सधवा स्त्री, सौभाग्यवती, सुहागिन।

सौभाग्य पुं. (तत्.) 1. उत्तम भाग्य, अच्छा भाग्य 2. स्त्री का सुहाग, सधवापन 3. सिंदूर 4. शुभत्व, कल्याण 5. सौंदर्य, सुंदरता 6. प्रेम, अनुराग 7. सुहाग 8. एक प्रकार का व्रत जो सब

तरह से सुखी रहने के लिए किया जाता है 9. एक प्रकार का पौधा।

सौभाग्य चिह्न पुं. (तत्.) 1. हर्ष/कल्याण का चिह्न 2. सौभाग्यवती होने का चिह्न।

सौभाग्य तृतीया स्त्री. (तत्.) 1. भाद्र शुक्ल तृतीया (तिथि) 2. हरितालिका तीज।

सौभाग्य तंतु पुं. (तत्.) मंगलसूत्र।

सौभाग्यवती स्त्री. (तत्.) 1. वह स्त्री जिसका पति जीवित हो 2. सुहागिन।

सौभाग्यवान वि. (तत्.) 1. भाग्यशाली 2. खुशनसीब 3. सब प्रकार से सुखी और समृद्ध।

सौभाग्यव्रत पुं. (तत्.) फाल्गुन शुक्ल तृतीया को स्त्रियों द्वारा किया जाने वाला व्रत विशेष।

सौभासिक वि. (तत्.) 1. चमकीला 2. प्रकाशमान।

सौभिक पुं. (तत्.) 1. जादूगर 2. इंद्रजालिक।

सौभिक्ष वि. (तत्.) सुभिक्ष या सुसमय लाने वाला पुं. घोड़ों को होने वाला एक प्रकार का शूल रोग।

सौभिक्ष्य पुं. (तत्.) सुभिक्ष।

सौभूत पुं. (तत्.) एक प्राचीन स्थान जो संभवतः केकय देश में था।

सौभेय पुं. (तत्.) सौभ जनपद या नगर का निवासी।

सौभेषज वि. (तत्.) उत्तम ओषधियों से युक्त।

सौभ्रात्र पुं. (तत्.) अच्छा भाईचारा, सुभ्रातृत्व।

सौमंगल्य पुं. (तत्.) 1. कल्याण, सुमंगल 2. मांगलिक द्रव्य या सामग्री।

सौमंत्रिण पुं. (तत्.) वह जिसके अच्छे मंत्री हों।

सौम वि. (तत्.) 1. सोम लता संबंधी 2. सोम अर्थात् चंद्रमा संबंधी।

सौमन पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का अस्त्र 2. सुमन, फूल।

सौमनस वि. (तत्.) 1. सुमन या फूल संबंधी 2. फूलों का बना हुआ 3. फूल के जैसा सुंदर और